

Newspaper Clips

October 10, 2012

Times of India Chennai 09-10-2012 P-5

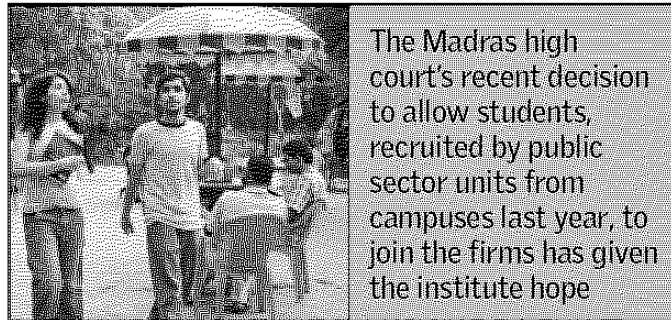
IIT on a high despite slump

Pay Packages Have Seen An Increase Of 30% This Year

M Ramya | TNN

Chennai: Even as many other technical institutions reel under a slump, the Indian Institute of Technology-Madras (IIT-M) appears buoyant. Sources said that pay packages have increased along with the number of companies visiting the campus this year.

The usual increase in pay packages is around 20% every year. This year, the average has touched 30%, thanks to some big offers. "I think the good response is because of the global reputation the institute is gaining. Many new companies from other countries are making good offers," said a student member of the placements



The Madras high court's recent decision to allow students, recruited by public sector units from campuses last year, to join the firms has given the institute hope

team.

Last year, the average salary was ₹7.35 lakh, with the highest pegged at ₹68.5 lakh. This year, LinkedIn, Alcazar, PNG, Rolls Royce, Mylikes and Genesis are among the new firms offering high salaries, in addition to regulars like McKinsey, Facebook, Microsoft and IBM.

Two months ahead of the interviews, the placements team has wooed 60% more companies than last year. Over 140 companies have confirmed their participation.

The Madras high court's recent decision to allow students recruited by public sector units from campuses last year to join

the firms has given the institute hope. "PSUs will also be participating in the placement season. We sent out invitations to several PSUs on Friday last," said B Nagarajan, deputy registrar, training, placement and public relations, IIT-M.

Of the 650-plus students graduating this year, more than 98% have signed up for on-campus placements, while a few have opted to pursue higher education.

The season got off to a good start with 11 students receiving pre-placement offers from six companies they had interned with in the summer. HUL, Microsoft and Texas Instruments were among those that made PPOs as early as August.

आईआईटी की अड़चन ऑनलाइन हो रही दूर

जेईई परीक्षा का प्रारूप बदल गया है। इससे कई छात्रों को कुछ परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों की परेशानी को देखते हुए आईआईटी ने अपनी वेबसाइट पर छात्रों की उलझनों का जवाब दिया है। आपके लिए पेश हैं कुछ चुनिंदा सवालों के जवाब।

मैंने 2012 में बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है। 2013 में मैं अंक सुधार के लिहाज से बोर्ड परीक्षा में बैठ रहा हूँ। परीक्षा में बैठने के लिए मुझे किन शर्तों को पूरा करना होगा?

अगर आप परीक्षा में बैठने के लिए 2012 के स्कोर का इस्तेमाल करते हैं तो बारहवीं में साठ प्रतिशत का नियम लागू होगा। वहीं अगर आप 2013 के स्कोर का इस्तेमाल करते हैं तो बोर्ड परीक्षा के आधार पर टॉप 20 पर्सेंटाइल का नियम लागू होगा।

मैं 2012 में आईआईटी की परीक्षा दे चुका हूँ। उस वर्ष मैं उत्तीर्ण नहीं हुआ। 2012 में मेरे अंक दाखिले के लिए आवश्यक अंक से कम थे। मैंने 2013 में दोबारा परीक्षा देना है और मैं आवश्यक अंक प्राप्त कर लेता हूँ। क्या मैं जेईई एडवांस-2013 में बैठ सकता हूँ?

आप जेईई एडवांस 2013 में बैठ सकते हैं, अगर आप नियमतः शीर्ष 1,50,000 लाख छात्रों की सूची में आ जाते हैं। यदि आप इस पैमाने में खरा नहीं उतरते तो आप परीक्षा नहीं दे पाएंगे।

2011 में मेरा परिणाम तीस सितंबर के बाद घोषित हुआ था, इसलिए मैं जेईई की परीक्षा नहीं दे सका। 2012 में मैंने जेईई की परीक्षा दी पर पास नहीं हुआ। क्या मैं 2013 में परीक्षा में बैठ सकता हूँ?

आप जेईई में बैठ नहीं सकते हैं बशर्ते आप बोर्ड के शीर्ष 20 पर्सेंटाइल में आते हो और डेढ़ लाख छात्रों की सूची में आपका नाम आ सकता हो।

जेईई एडवांस के लिए आवेदन कब से प्रारंभ होगा?

जेईई (मुख्य) और जेईई (एडवांस) के ऑनलाइन आवेदन एक नवंबर से आरंभ होगा और 15 दिसंबर तक होगा। जेईई एडवांस की परीक्षा दो जून, 2013 को होगी।

मैंने 2010 में बारहवीं की परीक्षा दी। पर मेरे अंक जेईई परीक्षा में बैठने के लिए जरूरी अंकों से कम आए। मैं जेईई पास भी नहीं कर सका। 2011 में मैंने अंक सुधार से आवश्यक अंक प्राप्त कर लिए लेकिन मैं आईआईटी परीक्षा इस वर्ष भी पास नहीं कर सका। 2012 में मैंने आईआईटी परीक्षा नहीं



दी। क्या मैं जेईई (एडवांस) में बैठ सकता हूँ?

आप जेईई में बैठ नहीं सकते हैं बशर्ते आप बोर्ड के शीर्ष 20 पर्सेंटाइल में आते हो और डेढ़ लाख छात्रों की सूची में आपका नाम आ सकता हो।

मैंने एआईईईई की परीक्षा 2012 में पास कर ली थी और एनआईटी में दाखिला ले लिया। मैं जेईई एडवांस परीक्षा में बैठना चाहता हूँ। क्या मुझे जेईई मुख्य परीक्षा देनी होगी?

आपको जेईई मुख्य की परीक्षा देनी होगी। अगर आप डेढ़ लाख छात्रों की सूची में चुने जाते हैं तो जेईई एडवांस दे सकते हैं। (प्र.सं.)

आईआईटी का सांस्कृतिक महोत्सव कल से

**150 कॉलेजों
के करीब
1500
छात्र-छात्राएं
लेंगे भाग**



कानपुर। आईआईटी कानपुर का सांस्कृतिक महोत्सव 'अंतराग्नि' 11 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। दिल्ली, पंजाब, मुंबई और हरियाणा के 150 कालेज के करीब 1500 छात्र-छात्रा इस महोत्सव में हिस्सा लेंगे। आईआईटी कानपुर के छात्रों द्वारा जारी एक बयान के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत 11 अक्टूबर को गायक रघु दीक्षित की बैण्ड की धुनों से की जाएगी। जबकि 12 अक्टूबर को फैशन शो 'ऋतंभर' का आयोजन किया

जाएगा। 13 अक्टूबर को हिंदू कालेज दिल्ली के 'इब्तिदा' ग्रुप की वेदी सिन्हा और अनिमेष परमार के 'स्टेज प्ले', 'स्ट्रीट प्ले' और 'माइंस आर्ट' का प्रदर्शन होगा। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में इसाइल और अमेरिका के बैण्ड की भी धूम रहेगी।

'अंतराग्नि' कार्यक्रम के लिए फिल्म और थिएटर की हस्तियों को भी बुलाया गया है, जिनमें नीरज घोष, अब्बास टायरवाला तथा लव रंजन शामिल हैं। इसके अलावा मशहूर क्रिकेट उद्घोषक

अयाज मेमन भी छात्रों के प्रश्नों का जवाब देंगे। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न कॉलेज के विद्यार्थी लोक कला, मूर्ति कला का लगातार चार दिनों तक प्रदर्शन करेंगे। इसके लिए आईआईटी परिसर में व्यापक तैयारियां की जा रही है तथा पूरे परिसर को सजाया गया है। कार्यक्रम में लगे आईआईटी के छात्र छात्राओं से काफी उत्साह है। बुधवार से कालेज परिसर में विभिन्न कॉलेज के विद्यार्थियों का आना शुरू हो जाएगा।

आईआईटी रुड़की के 475 छात्रों ने एएमसीएटी में भाग लिया

देहरादून(सं.)। आईआईटी कानपुर के अंतिम वर्ष के छात्रों ने नौकरियों में अवसर हासिल करने के लिए आईआईटी रुड़की के 475 से अधिक छात्रों ने एस्पारिंग माइंड्स कंप्यूटर एडेप्टिव टैस्ट परीक्षा में भाग लिया।

इस मूल्यांकन के दौर से गुजरे हर छात्र को एएमसीएटी का सैवन-स्टोक इंप्लॉयेबिलिटी फीडबैक मिलता है। इस रिपोर्ट के आधार पर छात्र अपने मजबूत और कमजोर पक्षों को बखूबी समझ पाते हैं और उसी के हिसाब से बुनियादी कौशलों का विश्लेषण भी किया जाता है।

जिससे छात्र उन क्षेत्रों में सुधार कर नौकरी प्राप्त कर सकें। एस्पारिंग माइंड्स के सह-संस्थापक तथा निदेशक वरुण अग्रवाल ने कहा कि उद्योग की अपेक्षाओं के अनुस्यू खुद को तैयार रखना प्रतिष्ठित संस्थानों के छात्रों की खासियत बनता जा रहा है। एसैस्मेंट

टैक्नोलॉजी कंपनी एस्पारिंग माइंड्स द्वारा आयोजित इस टैस्ट को आई आईटी दिल्ली तथा एमआईटी, बॉस्टन, अमेरीका के पूर्व छात्रों ने तैयार किया है और यह अत्यंत उन्नत स्टैटिस्टिकल टैक्नोलॉजी पर आधारित है। विभिन्न आईटी, आईटीईएस, हॉस्पिटैलिटी, केपीओ आदि एएमसीएटी का प्रयोग इंटरव्यू एवं प्लेसमेंट के दौरान उम्मीदवारों की योग्यताओं के मूल्यांकन के लिए करते हैं।

एएमसीएटी इंटेल्जेंट मूल्यांकन प्रक्रिया है जो सिर्फ ज्ञान आधारित प्रश्नों तक ही खुद को सीमित रखने की बजाय सैद्धांतिक पहलु के साथ-साथ उसके व्यावहारिक

'रिपोर्ट के आधार पर छात्र अपने मजबूत और कमजोर पक्षों को बखूबी समझ पाते हैं और उसी के हिसाब से बुनियादी कौशलों का विश्लेषण भी किया जाता है'

पक्ष का भी आंकलन करती है।

इस तरह यह प्रक्रिया वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए संकल्पनाओं एवं ज्ञान को व्यवहार रूप में लागू करने की उम्मीदवारों की क्षमताओं का भी पता लगाती है।

Indian-origin scientist finds black hole cluster

Subodh Varma & Ashis Ray | TNN

New Delhi/London: Billions of kilometres beyond the constellation of Virgo, a zoo of monster black holes has been discovered by a Cambridge team led by Manda Banerji, an Indian-origin scientist. Radiation, hitherto not quite taken into account, is reaching the earth as a result of earlier unidentified black holes in what astronomers call the "early universe".

The discovery has shaken up the scientific world because never has such a collection of monster black holes remained hidden for so long.

Scientists will now have to take a second look at many dust obscured corners of the universe while searching for hidden blackholes.

The research estimates that there are

at least 400 black holes in the cluster which is 11 billion light years away. Fiercely swirling giant clouds of thick dust had surrounded the black hole zoo till Banerji's team penetrated it with a cutting edge infrared telescope.

"These results could have a significant impact on studies of supermassive black holes," said Banerji, lead author of the paper which has been published in the journal Monthly Notices of the Royal Astronomical Society.

"Although these black holes have been studied for some time, the new results indicate that some of the most massive ones may have so far been hidden from our view," Banerji added.

The zoo contains a monster black hole that has more than 10 billion times the mass of the sun, making it one of the most massive black holes ever seen.



MEGA DISCOVERY:
Manda Banerji

► **Monster black hole, P 24**

Quantum physicists win Nobel prize

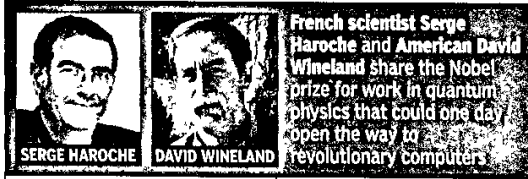
French-American Duo Hailed For Finding Way To Help Build Supercomputers

Stockholm: A French-American duo shared the 2012 Nobel Prize in physics on Tuesday for inventing methods to observe the properties of the quantum world, research that has led to the construction of extremely precise clocks and helped scientists take the first steps toward building superfast computers.

Serge Haroche of France and American David Wineland opened the door to new experiments in quantum physics by showing how to observe individual quantum particles while preserving their quantum properties.

A quantum particle is one that is isolated from everything else. In this situation, an atom or electron or photon takes on strange properties. It can be in two places at once, for example. It behaves in some ways like a wave. But

'PARLOUR TRICK'



► **Working separately,** they have found ways to manipulate the very smallest particles of matter and light to observe strange behaviour that previously could only be imagined in equations and thought experiments

► Wineland calls his own work a 'parlour trick' that performs the seemingly magical feat of putting an object in two places at the same time

► This could make it possible

to build a new kind of computer far more powerful than any seen before. "Perhaps the quantum computer will change our everyday lives in this century in the same radical way as the classical computer did in the last century," the Nobel jury said

► It added: "The research has also led to the construction of extremely precise clocks that could become the future basis for a new standard of time"

these properties are instantly changed when it interacts with something else, such as when somebody observes it.

Working separately, the two scientists, both 68, developed "ingenious laboratory methods" that allowed them to manage and measure and control fragile quantum states, the Royal Swedish Academy of Sciences said.

"Their ground-breaking methods have enabled this field of research to take the very first steps towards building a new type of superfast computer based on quantum physics," the academy said. "The research has also led to the construction of extremely precise clocks that could become the future basis for a new standard of time."

Haroche is a professor at the College de France and Ecole Normale Supérieure in

Paris. Wineland is a physicist at the National Institute of Standards and Technology, or NIST, and the University of Colorado in Boulder, Colorado. The two researchers use opposite approaches to examine, control and count quantum particles, the academy said. Wineland traps ions — electrically charged atoms — and measures them with light, while Haroche controls and measures photons, or light particles.

Haroche said he was out walking with his wife when he got the call from Nobel judges. "I was in the street and passing a bench so I was able to sit down," Haroche told a news conference in Stockholm by phone. "It's very overwhelming." He said his work in the realm of quantum physics could ultimately lead to unimaginably fast computers. AP

Pioneer ND 10/10/2012

P-5

UGC plan to push women to top as administrators

DEEPAK KUMAR JHA ■ NEW DELHI

In a bid to increase the participation of females in higher education management as also for better gender balance, the University Grants Commission (UGC) has prepared a training module for women involving a three-pronged approach. The move follows the HRD Ministry's directions to it for devising an education system that would churn out more women managers.

The step is also being taken to sensitise the higher education system through policies and procedures which recognise women equity and diversity and to involve the women capable of becoming administrators for qualitative development of higher education.

"There is a dearth of women administrators as far as academic bodies are concerned. This is to enhance and encourage women's participation so that they are also the top echelons in administrative unit of educational or cultural autonomous bodies under the HRD Ministry. The UGC had been tasked to prepare the module. There is enough participation of women in bureaucracy but they do not have adequate representation in the education field," said an HRD Ministry official.

The training module's three-pronged approach will offer training programmes focused on increasing their sensitivities to issues concerning women becoming managers; make it a movement of women rather than only a



scheme like any other; and involve Vice-Chancellors of the universities or Principals of the concerned colleges for the development of the programmes. "Capacity building is through

the activities like sensitisation, awareness/motivation workshops, development and distribution of resource materials, research stimulation workshops, management skill workshops. All universities

recognised by the UGC are implementing the scheme of capacity building of women managers in higher education and a grant of ₹11.62 crore has been provided to various universities/colleges under this scheme," added the official.

According to an estimate, there is less than 10 per cent women's representation in the administrative field in academics and most of them rise to the level of principals of colleges. The goal now is to facilitate the constituencies of women faculty, administrators and staff. The global picture in higher education, according to a UGC report, indicates that men outnumber women at about five to one at middle management level and about 20 to one at senior management level.

It seems to be a very challenging year for aspirants who will have to tackle the major changes that come as a result of the notification of NEET (National Eligibility cum Entrance Test for admission to MBBS and Bachelor of Dental Surgery (BDS) and masters courses). With this notification, students will have to revamp their approach to their exam preparation, as, along with the concept, a new syllabus has also come into the picture. And it's not just about the aspirants, every organisation in the education sector will have to gear up for NEET making it one of the most fruitful decisions in the history of Indian education.

BACKGROUND

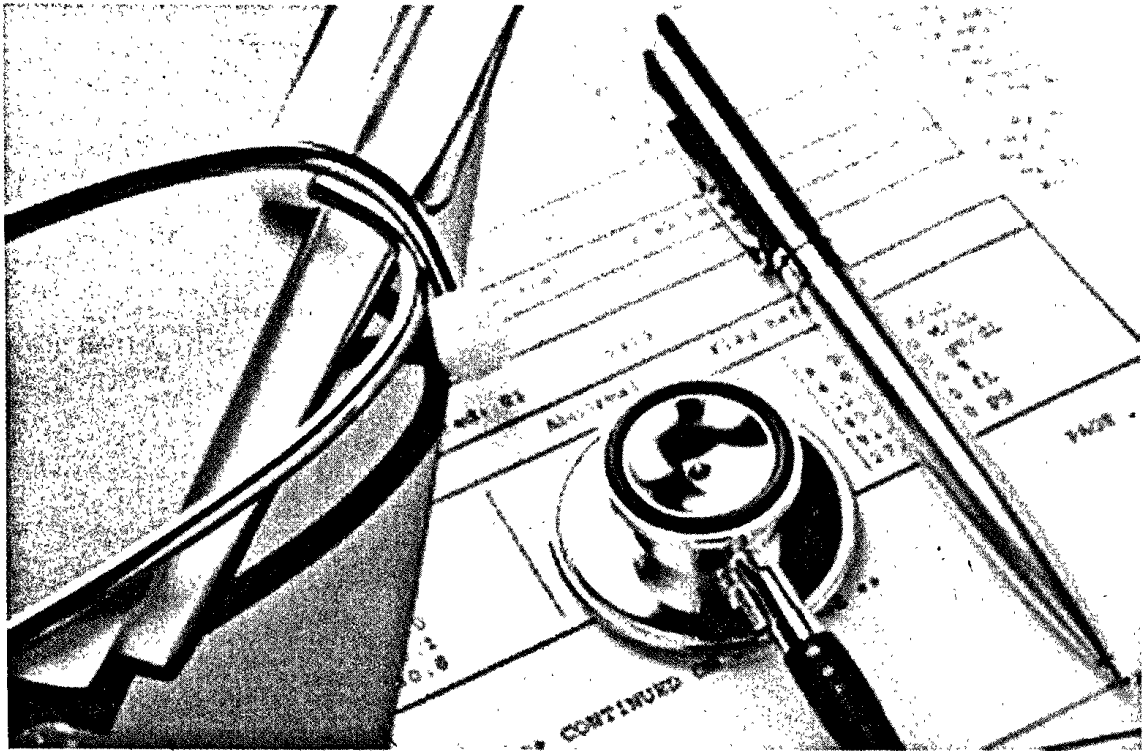
With the introduction of NEET this year, the computer based entrance exam has scraped all State level medical entrance tests and the All India PMT exam. It is still not confirmed if the state of Andhra Pradesh, Tamil Nadu, and Gujarat and West Bengal will be able to join NEET this year as these states have had different syllabus patterns as compared to NEET. Hence they have requested for some more time to join in this campaign. Additionally, they have also requested the governing body of NEET to conduct the exam in their regional language. The decision to involve medical colleges of these states is still not clear. Apart from these states, the Central Board of Secondary Education (CBSE) has confirmation from all states medical councils for their participation in the NEET 2013. A total of 271 MBBS colleges have been listed by Medical Council of India (MCI), which will fall under the aegis of NEET 2013. These colleges shall offer a total of 31,000 MBBS seats across India.

The NEET syllabus was decided after reviewing various State Board syllabi and that prepared by the CBSE, COBSE (Council of Boards of School Education in India) and NCERT (National Council Of Educational Research And Training), considering the significance of various fields in medical education. However, Institutes of national repute like AIIMS have declined to join NEET, in order to maintain their high standards. In terms of governance, the Central Government funded institutions have their own sets of rules and regulations and they do not wish to be part of a common CET.

EXAM PATTERN

Till last year, the All India Pre-Medical Test (AIPMT) had 200 questions in total, with 50 questions each in Physics, Chemistry, Botany and Zoology. The exam was of three hours duration, with 1/4 negative marking. As compared to AIPMT, the NEET will have a total of 45 questions each in Physics, Chemistry, Botany and Zoology, totaling to 180 questions. The paper will be of three hours and will carry 1/4 negative marking. So, the aspirants need to be a little more alert about the pattern this year and prepare themselves accordingly.

With the implementation of this concept, a lot has changed in the present medical scenario, giving it a new picture all together. Earlier, there were around two lakh aspirants participating for around 2,000 seats for



It's NEET

With the introduction of NEET in 2013, students will have to revamp their approach to their medical exam preparation. This is because along with the concept, a new syllabus has also come into the picture. **AAKASH CHAUDHRY** tells you how to deal with this new format

the AIPMT exam, the largest medical entrance exam in India, conducted by CBSE. A minimum estimate is that around eight lakh students may appear for the first NEET. The maximum figures could be somewhere between 10-11 Lakh students. However, it's not just about the change in syllabus and pattern or the seats, there are also other repercussions of this. Earlier, where the students had multiple options to prove themselves, now, they have just one single chance in their hands. But on the other hand, we can't conclude that NEET is a burden for students, as it is also a way to ease their load. Now, the students do not have to undergo the stress of preparing for multiple exams and filling too many forms that earlier added to their costs. So, it would not be wise for us to brainstorm our heads over the pros and cons of this exam, rather we should think about how we can help the aspirants take this major change positively.

MAKING NEET EASIER FOR YOU
Concerns about the preparation

IMPORTANT DATES

- Availability of information bulletin and forms at designated branches of Axis Bank: October 4, 2012 to November 12, 2012
- Online registration and scheduling for NEET PG: October 4, 2012 to November 12, 2012
- NEET PG examination dates : November 23, 2012 to December 6, 2012 which is referred to as the testing window (with November 24, 25, 28 and December 2, as non-testing days).
- Venue: At the selected test centres across 33 cities
- Declaration of NEET PG 2013 Results: By January 31, 2013
- Conducted by: National Board of Examinations (NBE) and Prometric

of NEET have been felt in different states. In Gujarat, the parents' association, which has around 100 members, has brought to attention the unavailability of study material in

these dreams do not go unfulfilled. So, here are few ways to help you out towards better preparation:

■ As the exam is being conducted by CBSE, therefore, thorough reading of NCERT is a must. The content of NCERT books should be read completely and figures given should be understood minutely. However, for the PG students, the syllabus described in the MCI Regulations on Graduate Medical Education, 1997 should be followed.

■ Student should take at least 15-20 full length tests before the actual exam. Since it's online mode, one should get handy with the technicality of giving online exams.

■ Going through the previous year AIPMT, exam papers will help as it is expected to be of the same level.



Gujarati, inadequate preparedness among teachers to coach students, and most importantly, lack of time to prepare for NEET-UG and PG courses. It's very reasonable for parents to get worried along with students as they have both have been working hard towards this goal. For some of them, it's the parents themselves who have inculcated this dream of their children becoming doctors. Stringent measures need to be taken to ensure

Ultimately it's not just about students. Even the faculty and the education sector are also gearing up for the upcoming NEET, taking it in their stride as a challenge. Not just coaching institutes, but various other players in the education industry have also come up with strategies to make NEET easier for the aspirants. For example, The Karnataka Examinations Authority has planned to hold a capacity-building programme to prepare students for the NEET 2013. The need of the hour is adaptability and adequate preparation to be able to turn the feeling of apprehension and insecurity into a pleasant sense of achievement. After all, the future of millions of aspiring doctors is at stake and the quest to give this opportunity to the best is of utmost priority.

The writer is Director, Aakash Educational Services Ltd